(b) if so, what are the details thereof and what benefits are expected to accrue out of such a joint venture;

(c) whether similar possibilities of co-operation with C.I.S. countries have been explored and

(d) if so, the details thereof and the steps initiated in that direction?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI SHARAD PAWAR): (a) There is no concrete offer at present for joint ventures with Russia or other C.I.S. countries for armament, equipment and aircraft manufacture.

(b) to (d) Do not ari:

सेना के कार्मिकों का प्रशिक्षण

4020. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय सेना के कार्मिकों/जवानों को किन-किन भाषाओं में प्रशिक्षण दिया जाता है ;

(ख) क्या इस प्रयोजनार्थ कोई पुस्तिकाएं/विवरणिकायें भी प्रयोग में लायी जाती हैं ; और

(ग) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ?

रक्षा मंत्री (श्री शरद पवार) : (क) सेना में सैनिकों को प्रशिक्षण हिन्दी में दिया जाता है । इसके अलावा सभी सैनिकों को हिन्दी एक अनिवार्य विषय के रूप में पढाई जाती है । कुछ चुनी हुई शैक्षिक परीक्षाओं के लिए अंग्रेजी पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में है ।

आवश्यकता के अनुसार कुछ चुने हुए सैनिकों को निर्धारित संस्थाओं में चीनी भाषा (मंडारिन), इजोंगखा (भूटानी, भाषा) तिब्बती, जापानी, अरबी, रूसी, बर्मी भाषा–इडोनेशियाई, फ्रेंच, फारसी, जर्मन, पश्तो, स्पेनिश और सिंघल भाषाई पढ़ाई जाती है ।

(ख) जी, हां ।

(ग) प्रशिक्षण के लिए पम्फलेट और प्रेसियां दोनों भाषाओं में दी जाती है : इस समय चीनी, इजोंगखा, (भूटानी) और तिब्बती भाषा को पढ़ाने के लिए जिन पुस्तकों का इस्तेमाल किया जा रहा है वे क्रमश: यले यूनिवर्सिटी (यू०एस०ए०) बेजिंग विश्व-विद्यालय भूटान सरकार और तिब्बती शिक्षा परिषद धर्मशाला द्वारा प्रकाशित की गई हैं । अन्य विदेशी भाषाएं पढ़ाने के लिए इस्तेमाल की जा रही पुस्तकें जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली और बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित की गई हैं ।

बिहार में तिलैया स्थित सैनिक स्कूल

4021. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में सैनिक स्कूलों की संख्या कितनी है और इन स्कूलों में प्रति वर्ष कुल कितने नए छात्र दाखिल किए जाते हैं ;

(ख) बिहार में तिलैया स्थित सैनिक स्कूल की कुल छात्र संख्या कितनी है और वहां दाखिला संबंधी नियमों का ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या वहां किसी स्थायी भवन का निर्माण किया गया है और यदि हां, तो उस पर कितना व्यय हुआ है ; और

(घ) गत तीन वर्षों के दौरान उक्त स्कूल का बजट कितना रहा और क्या अगले वर्ष के दौरान बजट में वृद्धि किए जाने का कोई प्रस्ताव है ?

रक्षा मंत्री (श्री शरद पवार) : (क) सैनिक स्कूल सोसायटी देश में 18 सैनिक स्कूल चलाती है । इन स्कूलों में भर्ती किए जाने वाले नए विद्यार्थियों की संख्या हर साल निम्नलिखित बातों के आधार पर निर्धारित की जाती है :—

(1) प्रशिक्षण देने के लिए प्रत्येक अनुभाग में छात्रों की अधिकतम संख्या ।

(2) शैक्षणिक वर्ष के अंत में छटनी किए जाने वाले या स्कूल छोडने वाले संभावित छात्रों की संख्या ।

(3) उपलब्ध छात्रवृत्तियां की संख्या ।

(4) स्कूल में उपलब्ध कक्षा-कक्ष और छात्रावास में स्थान की उपलब्धता ।

(5) स्कूल में उपलब्ध स्टाफ और अन्य सुविधायें ।

(ख) 1991–92 में सैनिक स्कूल तिलैया में 870 छात, छात्रावास में रहने वाले थे और 51 छात्र ऐसे स्थानीय छात्र थे जो केवल दिन में स्कूल आते थे । सैनिक स्कूलों में प्रवेश केवल छठी कक्षा में होता है और वह भी अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के आधार पर । यह परीक्षा हर वर्ष फरवरी में होती है । बिहार में सैनिक स्कूल में भर्ती होने वाले लड़कों को उस वर्ष में 2 जुलाई को 10 और 11 साल की आयु के बीच के में होना चाहिए और उन्हें स्वास्थ्य की दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए । 25% सीटें भूतपूर्व सैनिकों और रक्षा कार्मिकों के बच्चों के लिए आरक्षित है, 22.5% सीटें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन-जाति के छात्रों के लिए आरक्षित होती हैं । सैनिक स्कूल तिलैया, एक जूनियर आवासीय स्कूल भी चलाता है जिसमें 235 छात छात्रावास में रहने वाले और 199 छात्र दिन में पढ़ने के लिए आने वाले हैं ।

(ग) स्कूल में स्थायी रूप से बना हुआ एक शयनागार और एक बड़ा भोजन कक्ष है, जिसका निर्माण बिहार सरकार ने अपनी निधि से करवाया है ।

(घ) 1988–89 से 1990–91 के प्रत्येक वर्ष के लिए 30 अप्रैल, को समाप्त होने वाली अवधि के लिए स्कूल द्वारा किया गया व्यय इस प्रकार है :–

वर्ष	व्यय (लाख रुपए में)
1988–89	103.75
1989–90	112.15
1990–91	116.90

अगले वर्ष के लिए बजट स्कूल द्वारा मार्च-अप्रैल, 1993 तक तैयार किया जाएगा । इस स्तर पर 1993–94 के लिए बजट की राशि बताना संभव नहीं है ।

लड़ाई में मारे गये जवानों के परिवारों को राहत देना

4022. **श्री शंकर दयाल सिंह :** क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत एक वर्ष के दौरान सीमा-वर्ती क्षेत्रों और अन्य क्षेत्रों में मारे गये सेना के कितने जवान मारे गये और इन स्थलों का ब्यौरा क्या है जहां वे मारे गये ;

(ख) क्या अपने कर्तव्य के पालन के लिये अपने प्राणों की आहुति देने वाले ऐसे जवानों के परिवारों को राहत देने की कोई योजना है ;

(ग) यदि हां, तो गत एक वर्ष के दौरान ऐसे दिवंगत जवानों के परिवारों को किस-किस प्रकार की सहायता दी गई ?

रक्षा मंत्री (श्री शरद पवार) : (क) से (ग) 01 अगस्त, 1991 से 31 जुलाई, 1992 तक की अवधि में विभिन्न संक्रियाओं में 7 जे सी ओ तथा 160 अन्य रैंक वीरगति को प्राप्त हुए । इसका ब्यौरा इस प्रकार है :–

	जेसीओ	अन्य रैंक
मेघदूत संक्रिया (सियाचिन ग्लेशियर)	—	12
राइनो संक्रिया (असम)	—	14
ऑर्किड संक्रिया (नागालैंड)	—	12
हिफाजत संक्रिया (मणिपुर)	—	1
रक्षक संक्रिया (जम्मू और कश्मीर, पंजाब तथा राजस्थान)	7	121
	7	160